श्री गुरु ग्रंथ साहबि का प्रकाश पर्व

[स्रोत: पी.आई.बी.]

हाल ही में **प्रधानमंत्री** ने **श्री गुरु ग्रंथ साहबि** के **प्रकाश पर्व (प्रकाश दविस)** के अवसर पर शुभकामनाएँ दीं।

- **प्रकाश पर्व:** यह वर्ष 1604 में अमृतसर में नवनरि्मति स्वर्ण मंदरि में श्री गुरु ग्रंथ साहबि (जसि आदि ग्रंथ साहबि भी कहा जाता है) के प्रथम प्रकाश (उद्घाटन समारोह) की स्मृति में मनाया जाता है।
- **आदि ग्रंथ साहबि: आदि ग्रंथ का अर्थ है– 'पहली पुस्तक' जो गुरु अर्जन देव (10 गुरुओं में से 5वें) द्वारा वर्ष 1604 में रचति सखि धर्मग्रंथों का प्रारंभकि संकलन है।**
    - आदि ग्रंथ **गुरु ग्रंथ साहबि का पहला संस्करण** है, जो सखिों का पवति्र धर्म ग्रंथ है।
    - **10वें सखि गुरु, गुरु गोवदि सहि** ने वर्ष 1704 से 1706 के दौरान ग्रंथ में और पवति्र शब्द जोड़े।
        - वर्ष 1708 में अपने प्रस्थान से पूर्व उन्होंने **आदि ग्रंथ को शाश्वत गुरु घोषति कयि** और **सभी सखिों को गुरु ग्रंथ साहबि को अपना अगला व शाश्वत गुरु मानने का आदेश** दयि। तब इसका नाम बदलकर **श्री गुरु ग्रंथ साहबि** कर दयि गया।
    - आदि ग्रंथ में **कबीर, रवदिास, नाम देव** और **शेख फरीद** सहति **36 हदिू तथा मुस्लमि लेखकों की रचनाएँ** शामलि हैं।

और पढ़ें: सखि धर्म, गुरु ग्रंथ साहबि का स्वरूप, गुरु तेग बहादुर

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/prakash-purab-of-sri-guru-granth-sahib